हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 अप्रैल 2025

12 लोगों को नशे से दूर रहने के लिए दिलवाई शपथ

12 छोटी काशी में 9वें दिन जारी रही 41 दिवसीय अढ़ाई कोसी ...

खबर संक्षेप

स्थापना दिवस और नौ ग्रह मूर्ति स्थापना 23 को

भिवानी। गांव हालुवास स्थित साई बाबा मंदिर में साई बाबा धर्मार्थ ट्रस्ट भिवानी एवं समस्त ग्रामीणों के सहयोग से साई बाबा की मूर्ति स्थापना दिवस एवं नौ ग्रह मूर्ति स्थापना कार्यक्रम का आयोजन 23 अप्रैल को किया जाएगा। श्रद्धालु संजय कामरा ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि डिप्टी स्पीकर कृष्णलाल मिढ़ा एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ शिरकत करेंगे।

रिटायर्ड कर्मचारियों का रोष प्रदर्शन कल

भिवानी। लोकसभा में पेंशन वित्त विधेयक के विरोध में अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशन फेडरेशन के आह्वान पर 22 अप्रैल को प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रदर्शन में रिटायर्ड कर्मचारी बढ़-चढक़र भाग लेंगे तथा अपने हितों की आवाज को मजबूती से उठाएंगे, ये बात रिटायर कर्मचारी संघ के भिवानी ब्लॉक सचिव दिलबाग जांगड़ा ने प्रेस को जारी ब्यान में कही।

लोकगायक नरेश पाहसौर के छोटे भाई का निधन

भिवानी। गांव पाहसौर निवासी हरियाणवी लोकगायक नरेश पाहसौर के छोटे भाई हरियाणा पुलिस में कार्यरत एसएचओ रामनिवास शर्मा के निधन पर म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के सदस्यों ने शोक जताया। शोक जताते हुए संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने कहा कि रामनिवास शर्मा हरियाणा पुलिस के एक ईमानदार व निष्ठावान अधिकारी थे।

शिविर में 71 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा,दीं दवाइयां

भिवानी। रेलवे कॉलोनी में रविवार को लाइफ लाइन मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल द्वारा रेलवे विभाग के सहयोग से निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में 71 मरीजों ने स्वास्थ्य की जांच करवाई। अस्पताल के मैनेजर रत्न तंवर ने बताया कि शिविर का आयोजन संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में किया गया।

श्योनंद ग्रेवाल संरक्षक व जयवीर रंगा बने प्रधान

भिवानी। वार्ड नंबर-13 व 14 की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर क्षेत्रवासियों की बैठक का आयोजन रविवार को पीपली वाली जोहड़ी स्थित अंबेडकर भवन में हुआ। इस दौरान सर्वसम्मति से सर्वसमाज सुधार समिति अंबेडकर कॉलोनी पीपली वाली जोहड़ी का गठन किया गया। इस दौरान श्योनंद ग्रेवाल को संरक्षक, जयवीर रंगा को प्रधान चुना गया।

धन्ना भगत जयंती में लोग हुए रवाना

बवानीखेड़ा। जींद जिले के उचाना गांव पालवा में संत महापुरूष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के अंतर्गत संतश्री धन्ना भगत जयंती के उपलख्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत करने के लिए हलका विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के नेतृत्व में सैंकड़ों की संख्या में भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता रवाना हुए। विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे।

भिवानी डिपो, तोशाम व लोहारू सब डिपो की 212 में से 84 बसें जींद भेजी

रोडवेज बसें रैली में पार, यात्रियों की भीड़ अपार और बस स्टैंड पर मचा हाहाकार

जिले के सभी लोकल रूट्स लगभग बंद, लंबे रूट्स की गाड़ियां के आधे से ज्यादा टाइम मिस, जींद जिले के उचाना में धन्ना भगत जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम, मुख्यमंत्री नायब सिंह मुख्यतिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। बस स्टैंड पर बसों को इंतजार करते यात्री। *फोटो : हरिभूमि*

भिवानी। बस स्टैंड पर टिकट बनवाने के लिए टिकट बूथ पर खड़े यात्री।

जींद जिले के उचाना में 20 अप्रैल को संतश्री धन्ना भगत जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए भिवानी डिपो, लोहारू व तोशाम सब डिपो से 84 रोडवेज बसें रवाना की गई, जिसके बाद जिलेभर में सभी रूट्स पर रोडवेज बस सर्विस का टोटा हो गया। जनता को रोडवेज बसों की जहां 15 से 20 मिनट की सर्विस मिल रही थी, वहीं सर्विस रविवार को दो से ढाई घंटें तक पहुंच गई और हर तरफ बसों की कमी के चलते यात्रियां में हा-हाकार मच गया। बस स्टैंड पर बसों के बूथ खाली नजर आए और बसों के लिए यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा, तब जाकर वे गंतव्य तक पहुंच पाए। वहीं लोकल रूट्स तो बिल्कुल बंद रहे और लोग बसों का इंतजार करते ही रह गए। उल्लेखनीय हैं कि प्रदेश सरकार की ओर से 20 अप्रैल रविवार को जींद जिले के उचाना में संत महापुरूष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के अंतर्गत संतश्री धन्ना भगत जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्यतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिरकत की। भिवानी जिले में 212 रोडवेज बसें शामिल हैं, जिनमें भिवानी रोडवेज डिपो में 129, लोहारू सब डिपो में 41 व तोशाम सब डिपो में 42 रोडवेज बसें शामिल हैं। समारोह की सफलता के लिए भिवानी डिपो, लोहारू व तोशाम सब डिपो की 212 में से 84 रोडवेज बसें लगाई गई, जिसमें 65 बसों को जींद समारोह के लिए हैंड ओवर किया गया। वहीं 17 बसों को भिवानी जिले के गांवों में रैली में भीड़ को ले जाने के लिए ड्यूटी लगाई गई। इसके अलावा दो बसों को खाने की ड्यूटी में लगाया गया। कुल 212 बसों में से 84 बसें रूटों से गायब हो जाने से सहज से अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि कितनी भारी अव्यवस्था का आलम रहा होगा। भिवानी से दिल्ली रूट्स पर 20 मिनट की सर्विस हैं, लेकिन रविवार को हालत खस्ता रही और यात्रियों को दो से ढाई घंटें तक इंतजार करना पड़ा। वहीं बहल रुट्स पर भी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा और यात्रियों को दो-दो घंटें तक रोडवेज बस नहीं मिली।

इसके अलावा जींद रूट पर बसों की सर्विस नाम मात्र रही। अक्सर जींद रूट पर बसों की अच्छी सर्विस रहती हैं, लेकिन रविवार को रोडवेज प्रशासन व सरकार ने यात्रियों को सुविधा की बजाय दुविधा ही डाल दिया। रोडवेज बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों को बसों की कमी के कारण अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा। रोडवेज प्रशासन द्वारा 84 बसों को रैली में भेजने से सभी लोकल और लंबे रूटों पर बसों का आवागमन प्रभावित रहा। यात्री बसों के इंतजार में इधर-उधर भटकते नजर आए।

बसों की कमी के साथ-साथ गर्मी ने भी किया बेहाल

यात्रियों को रोडवेज बसों की कमी के कारण इधर उधर भटकना पड़ा। यात्री जहां रोडवेज बसों के लिए परेशान रहे, वहीं उन्हें गर्मी ने भी खूब सताया। यात्रियों का एक साथ दो परेशानियों का सामना करना पड़ा। एक ओर बसों का इंतजार और दूसरी तरफ यात्री गर्मी से बेहाल और पसीने से तर बतर नजर आए, जिन्हें मजबूरीवश प्राइवेट बसों और अन्य वाहनों में सवार होकर जाना पड़ा। इसके साथ ही रोडवेज कर्मचारियों ने व्यवस्था बनाने के लिए बसों के फेरे बढ़ाने का प्रयास किया, लेकिन फिर भी व्यवस्था पटरी पर आनी नामुमकिन रही।

सभी लोकल रूट्स लगभग बंद

घंटों इंतजार करने के बाद भी यात्रियों को बसों की सुविधा नहीं मिल सकी। जिलेभर के सभी लोकल रूट्स लगभग बंद रहे। लोकल रूट्स में बलियाली, झोझू, बडेसरा, ढाणीमाहू, तोशाम, दादरी व महम सहित अनेक रूट्स पूरी तरह से प्रभावित रहे। ग्रामीण इलाकों में तो लोगों को रोडवेज की बस देखने तक को नहीं मिली। गांवों के बस स्टैंड पर यात्री इंतजार करके थक हारकर वापस घर लौट गए। वहीं जिन लोगों मजबूरी थी, उन्हें प्राइवेट वाहन या निजी वाहन में जाना पड़ा। वहीं बस स्टैंड परिसर में घंटों इंतजार के बाद बसें पहुंची तो चढ़ने के लिए यात्रियों में धक्का मुक्की व बहस भी हुई।

भिवानी। घंटों इंतजार के बाद बस स्टैंड परिसर में बस आने पर चढ़ने के लिए धक्का मुक्की करते यात्री। फोटो : हरिभूमि

लोकल रूट्स के साथ साथ लंबे रूट भी प्रभावित

रोडवेज बसों की कमी के चलते लोकल रूट्स के साथ साथ लंबे रूट भी प्रभावित रहे, जहां यात्रियों को बसों की सुविधा लेने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। भिवानी से दिल्ली, भिवानी गुड़गांव रुट पर एक के बाद एक टाइम मिस किया गया। लंबे रूट के बूथों पर कोई बस नजर नहीं आई और यात्री बार बार टिकट बूथ पर टिकट बनवाने की बात करते रहे और बूथ टिकट इयूटी कंडक्टर यात्रियों को बूथ पर बस आने के बाद ही टिकट काटने की बात कहकर समझाते नजर आए।

पूछताछ केंद्र पर सुबह से लगी रही भीड़

पूछताछ केंद्र पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा रही। इयूटी पर तैनात कर्मचारी बार-बार यात्रियों को समझाते रहे और अनाऊसमेंट के जरिए बताते रहे कि धैर्य रखे बस बूथ पर पहुंचेगी और आपको गंतव्य तक पहुंचाया जाएगा। पूछताछ केंद्र पर यात्री कभी रोहतक, दिल्ली, तोशाम, बहल, जींद, गुड़गांव, महम, दादरी, लोहारू सहित अनेक बूथों पर रोडवेज बस नहीं खड़ी होने और बार-बार बसों के टाइम को लेकर बहस करते नजर आए।

कुल 212 बसों में से 84 बसों को रैली में भेजा

*जींद के उचाना में मुख्यमंत्री नायब सिंह की रैली में भिवानी जिले की 212 बसों में से 84 बसों को भेजा गया हैं। बसों की कमी के चलते अव्यवस्था बनी हैं, फिर भी प्रयास हैं कि यात्रियों को बस सुविधा मिले और उन्हें ज्यादा परेशानी का सामना न करना पड़े। इसमें ज्यादातर लोकल रूट्स बंद रहे हैं और लंबे रूट्स भी प्रभावित हुए हैं। -**जयकिशन**, चीफ इंस्पेक्टर, रोडवेज भिवानी।*

भिवानी। बस स्टैंड पर खाली पड़े बसों के बूथ और बसों का इंतजार करते यात्री।

सचिन सैनी जल संरक्षण प्रमुख बने

- पशु सेवा के लिए गौरक्षा दल संगठन को भिवानी में 7 जोन व 2 ब्लॉक में बांटा : परमार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जिला कारागार के नजदीक स्थित गौ चिकित्सालय में रविवार को गोरक्षा दल की केंद्रीय सलाहकार समिति की मीटिंग का आयोजन किया। मीटिंग में गोरक्षा दल संगठन का विस्तार एवं पुर्नगठन किया।

गोरक्षा दल भिवानी के प्रधान संजय परमार की अध्यक्षता मे हुई बैठक गोरक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य योगेंद्र व उपाध्यक्ष आचार्य आजाद के दिशा-निर्देशानुसार आयोजित हुई। संजय परमार ने बताया कि शहर में गाय सहित अन्य पशुओं की सेवा के कार्य को और भी तेजी से करने के लिए भिवानी शहर को 7 जोन व दो ब्लॉक में बांटा गया, जिसके प्रमुख व सहप्रमुखों को जिम्मेवारियं सौंपी। जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं रक्तदान सेवा समिति का भी गठन किया गया। जिसमें सचिन सैनी को जल संरक्षण प्रमुख, प्रदीप एनजीओ को पर्यावरण प्रमुख, गजेंद्र जांगड़ा को रक्तदान सेवा प्रमुख व बिजेंद्र रक्षक को मानव सेवा प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी। परमार ने बताया कि गौरक्षा दल जोन-1 के प्रमुख मोहन व उपप्रमुख रविंद्र उर्फ डॉन, जोन-2 के प्रमुख दिनेश दीनु व उपप्रमुख दीपू, जोन-3 के प्रमुख सुमित फौजी व उपप्रमुख आशीष, जोन-4 के प्रमुख अक्षय व उपप्रमुख साहिल, जोन-5 प्रमुख शुभम शर्मा उर्फ गोलू व उपप्रमुख अभी ठाकुर, जोन-6 के प्रमुख शुभम व उपप्रमुख विशाल, जोन-7 प्रमुख अमन पांडे व उपप्रमुख नीरज को जिम्मेदारी सौंपी।

भिवानी व तोशाम में पानी की किल्लत: अनिता

- चेयरपर्सन अनिता ने दर्जनभर गांवों में दिए पानी के टैंकर

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

रविवार को जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक ने गांव सरल, बादलवाला, अलखपुरा, दाँग, बाबरवास, सुंगरपुर, लक्ष्मणपुरा, बिजलानावास व खापड़वास के लिए पानी के टैंकरों का वितरण किया। चेयरपर्सन अनिता मलिक ने बताया की तोशाम व भिवानी में पंचायतों की डिमांड के अनुसार पानी के टैंकर दिए जा रहें हैं। मलिक ने कहा कि मुझे दुःख है कि भिवानी में एक मंत्री व दो सांसदों के होते हुए भी पानी की कमी है, पीने के पानी की सप्लाई भी 10 दिन में आती है, इससे लोग सड़कों पर जाम लगाने के लिए मजबूर हैं।

पानी के टैंकर रवाना करती जिप चेयरपर्सन अनीता मलिक।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजना है कि हर घर नल, नल में जल किसानों को एक तो पीने का पानी नहीं मिलता और बरसात से फसल हो जाती है तो उसे बेचने के लिए मंडियों में कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। मलिक ने कहा कि हमारी राज्यसभा सांसद ने तो विधानसभा में भी पानी की लाइनों के लिए मना किया था, जो ऑन रिकॉर्ड दर्ज है। ये तो कहती है कि कभी रोहतक वालों ने भिवानी का विकास नहीं होने दिया व कभी लोहारू का मंत्री सारे हरियाणा का पानी लोहारू ले गया, आज तो सिंचाई मंत्री व राज्यसभा सांसद होने के बावजूद भी तोशाम व भिवानी को पानी नहीं मिल रहा। मंत्री व सांसद होते हुए भी किसानों की पानी की समस्या दूर कब करेंगी।

पाइप लाइन का टेंडर पास करवाया

मलिक ने कहा कि मैंने पूर्वमंत्री जेपी दलाल से कहकर तोशाम में वाटर टैंक बनवाया व खानक स्याहड़वा में 28 करोड़ रुपये की पाइप लाइन का टेंडर पास करवाया, जिसका अभी तक कार्य पूरा नहीं हुआ है। इस मौके पर मौजूद सभी पंचायतों व जन प्रतिनिधियों ने जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हमारी चेयरपर्सन पूरे जिले में समान रूप से विकास कार्य करवा रही है। इस मौके पर कृष्ण मलिक, नरेंद्र पार्षद, लाला प्रधान पार्षद प्रतिनिधि, राजेश सरपंच, बिजेंद्र सरपंच, राजेश बाबरवास, जगदीश सरपंच, अभय सरपंच, अनिता सरपंच, मंजू सरपंच, राजेंद्र सरपंच, सुनीता सरपंच, रक्षा कुमारी सरपंच आदि मौजूद थे।

पवन भारद्वाज बने हरियाणा प्राइमरी टीचर एसो. के भिवानी खण्ड प्रधान

भिवानी। बैठक के दौरान विरोध जताते प्राइमरी टीचर।

भिवानी। हुडा पार्क में हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन की भिवानी खण्ड कार्यकारिणी का चुनाव संगठन के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष जंगबीर कासनियां व जिला प्रधान राजेश कालुवास की अध्यक्षता में हुआ। शिक्षकों ने खण्ड प्रधान पद के लिए पवन भारद्वाज के नाम का प्रस्ताव रखा। सभी शिक्षकों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन किया। महासचिव पद पर मदनलाल यादव के नाम का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। इसके अलावा अन्य पदों पर भी सर्वसम्मति से चयन किया गया। संगठन के जिला उपप्रधान नरेश लडवाल ने चुनाव कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों पर ऑनलाइन आदि के अनावश्यक कार्य न थोपे जाएं। चुनावी कार्यक्रम में जितेंद्र कुमार, सुनील मंढाना, धर्मबीर यादव, कविता रानी, सुनीता देवी, सुदेश शर्मा, अनिल सांगवान, अनिल लाम्बा, दुलीचन्द सिंहमार, सुभाष कुमार, मदनलाल सम्भरवाल, जयप्रकाश तंवर, शिवकुमार बापोड़ा, धर्मेंद्र सुनारिया, विजय अगरोहिया, सुरेंद्र कैरु आदि मौजूद रहे।

छात्रा खुशी की अपने शिक्षकों पर लिखी सुंदर कविता

वॉल मैगजीन के प्रथम संस्करण का विमोचन

- मैगजीन के प्रथम संस्करण का भव्य शुभारंभ विद्यालय इंचार्ज सज्जन कुमार ने किया

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

भुरटाना के राजकीय उच्च विद्यालय में वॉल मैगजीन के प्रथम संस्करण का भव्य शुभारंभ विद्यालय इंचार्ज सज्जन कुमार ने किया। उन्होंने फीता खोलकर इसंस्करण को विद्यालय परिवार को समर्पित किया।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों को वॉल मैगजीन के लिए अच्छे लेख लिखने एवं प्रकाशित करवाने के लिए प्रेरित किया। वॉल मैगजीन के प्रथम संस्करण में छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा देखने को मिली, जिसमें छात्रा खुशी की अपने शिक्षकों पर लिखी सुंदर कविता, वंशिका का लेख 'माए स्कूल इंवायरमेंट' रेहा ने प्रस्तुत रोचक चुटकुले, दीक्षा का प्रेरणादायक लेख आवर विजन एंड मिशन को स्थान मिला।

बवानीखेड़ा। भुरटाना के राजकीय उच्च विद्यालय में वॉल मैगजीन के प्रथम संस्करण का शुभारंभ करते इंचार्ज सज्जन कुमार। *फोटो : हरिभूमि*

छात्रों की लेखन कला को मिलेगा बढ़ावा

वहीं काजल ने लिखा 'मैथस अबाउट मी' जैसे विविध विषयों को स्थान मिला। विद्यालय इंचार्ज सज्जन ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ न केवल छात्रों में लेखन कला को बढ़ावा देती हैं, बल्कि उनकी पाठ्य एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सकारात्मक सुधार लाती हैं। उन्होंने वॉल मैगजीन के संपादक विजय जांगड़ा के योगदान की भी सराहना की। विजय जांगड़ा ने बताया कि छात्र-छात्राएं विभिन्न कलाओं में दक्ष हैं, और उन्हें केवल उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय के सभी शिक्षक छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु तत्परता से सहयोग कर रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक गण गीता, मनेश, पवन, नीतू, मुकेश, सुखवंत सहित सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विद्यालय में एक नई रचनात्मक परंपरा की शुरुआत की है, जो निश्चित रूप से विद्यार्थियों के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

लोक गायन

लोक संगीत का तात्पर्य पारंपरिक संगीत और लोक संगीत की आधुनिक धारणा दोनों से हो सकता है। हरियाणा प्रदेश में लोक गायन की अलग-अलग शैलियां प्रचलित हैं जैसे घरवा गायन, झूलना, पटका, रसिया, आदि। ये शैलियां राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लोक गायकों द्वारा गाए जाने या प्रस्तुत किए जाने के तरीके में एक-दूसरे से भिन्न हैं। इसी तरह गाथाएं लोक संगीत का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनमें आमतौर पर ऊपर बताए गए गीतों की तरह लोक कविता के गीतात्मक गुण नहीं होते। वे समुदाय का अलिखित इतिहास हैं।

लुप्त होती प्रदेश की अनमोल विरासत रागनी

कला-संस्कृति

डॉ. सत्यवान सौरभ

कभी गांवों की चौपालों, मेलों और अखाड़ों में गूंजने वाली यह कला अब केवल कुछ पुराने कलाकारों और रसिकों तक सीमित रह गई है। इसके लुप्त होने के पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारण ज़िम्मेदार हैं। पहले के समय में गांवों में बैठकर बुज़ुर्ग अपनी अगली पीढ़ी को लोकगीत और रागनी सिखाते थे, लेकिन अब यह परंपरा समाप्त हो रही है। लोकगीतों और रागनी को नयी शैली में ढालने का प्रयास कम हुआ है, जिससे यह लोगों के लिए कम प्रासंगिक हो गई है। इस कला को संरक्षित करने के लिए कोई औपचारिक संस्थान या पाठ्यक्रम भी उपलब्ध नहीं हैं।

हरियाणा की लोकसंस्कृति में रागनी एक महत्वपूर्ण कला है, जो समय के साथ धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम रही है, बल्कि सामाजिक संदेश देने, वीर रस जगाने और लोक इतिहास को संजोने का एक प्रभावशाली ज़रिया भी रही है। हरियाणा की रागनी न केवल मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम रही है, बल्कि समाज सुधार की दिशा में भी इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। यह लोककला सिर्फ़ संगीत नहीं, बल्कि एक आंदोलन रही है, जिसने लोगों को जागरूक किया, बुराइयों के खिलाफ खड़ा किया और समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया। हरियाणवी रागनी लोकसंस्कृति का अभिन्न अंग रही है और इसके प्रचार-प्रसार में जाहरवीर कल्लू खां, अजीत सिंह गोरखपुरिया, दयाचंद लांबा, राजेंद्र खड़खड़ी, जसमेर खरकिया, सुरेंद्र भादू, सूरजभान बलाली, मामन खान, सतीश ठेठ, कविता कसाना के साथ-साथ और भी कई महान कलाकारों का योगदान रहा है। आज भी कई युवा कलाकार रागनी को आगे बढ़ा रहे हैं और इसे डिजिटल मंचों के माध्यम से नई ऊँचाइयों तक ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। हरियाणवी रागनी को जीवित रखने में संदीप सरगथलिया, वीर सिंह फौजी, धर्मवीर नागर, राजबाला, मास्टर छोटूराम बड़वा जैसे कई कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इनकी मेहनत और समर्पण से यह लोककला आज भी जीवित है, हालाँकि इसे और संरक्षण और प्रोत्साहन की ज़रूरत है।

रागनी हरियाणवी लोकगीतों और कविताओं का एक विशिष्ट रूप है, जिसे मुख्य रूप से हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में गाया जाता है। इसमें वीरता, प्रेम, भक्ति, सामाजिक मुद्दों और ऐतिहासिक घटनाओं का चित्रण किया जाता है। पहले यह कला अखाड़ों और मेलों में बहुत लोकप्रिय थी, जहां गायक अपनी आवाज़ और जोश के साथ लोगों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। रागनी के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और समानता पर ज़ोर दिया गया। कई लोकप्रिय रागनियों में बाल विवाह, दहेज प्रथा और महिलाओं पर अत्याचारों का विरोध किया गया है। बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ जैसे संदेशों को रागनी ने जन-जन तक पहुंचाया।

हरियाणवी समाज में जातिगत भेदभाव को ख़त्म करने और समानता का संदेश देने में रागनी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। कई प्रसिद्ध रागनियों ने बताया कि सभी मनुष्य समान हैं और कर्म को जाति से ऊपर रखना चाहिए। रागनी के माध्यम से शराब, जुए और अन्य नशों की लत से बचने के संदेश दिए गए। कलाकारों ने इन बुराइयों को जड़ से उखाड़ने के लिए प्रेरक गीत गाए। हरियाणा की ग्रामीण जनता के लिए रागनी एक ताकत बनी। इसमें किसानों की समस्याओं, मजदूरों के अधिकारों और सरकार से उनकी माँगों को जोरदार तरीके से उठाया गया। कई रागनियों में किसान आंदोलनों, फ़सल के सही दाम और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए गए हैं।

ब्रिटिश राज के दौरान रागनी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक प्रभावशाली हथियार बनी। लोकगायक अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता में देशभक्ति की भावना भरते थे और अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का आह्वान करते थे। आज के दौर में भी रागनी समाज सुधार का माध्यम बनी हुई है। डिजिटल मीडिया और मंचों पर युवा कलाकार सामाजिक मुद्दों पर रागनी प्रस्तुत कर रहे हैं। हरियाणवी लोकसंस्कृति की पहचान रागनी समय के साथ लुप्त होती जा रही है। कभी गाँवों के चौपालों, मेलों और अखाड़ों में गूँजने वाली यह कला अब केवल कुछ पुराने कलाकारों और रसिकों तक सीमित रह गई है। इसके लुप्त होने के पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारण ज़िम्मेदार हैं। पहले के समय में गाँवों में बैठकर बुज़ुर्ग अपनी अगली पीढ़ी को लोकगीत और रागनी सिखाते थे, लेकिन अब यह परंपरा समाप्त हो रही है। लोकगीतों और रागनी को नयी शैली में ढालने का प्रयास कम हुआ है, जिससे यह लोगों के लिए कम प्रासंगिक हो गई है। नवीन मनोरंजन साधनों टीवी, इंटरनेट और पॉप संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के कारण युवा पीढ़ी लोककला से दूर होती जा रही है। आधुनिक संगीत उद्योग में रागनी को वह स्थान नहीं मिला जो अन्य संगीत शैलियों को मिला है। युवा पीढ़ी इसे करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित नहीं हो रही है।

इस कला को संरक्षित करने के लिए कोई औपचारिक संस्थान या पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं हैं। रागनी को नए संगीत वाद्ययंत्रों और आधुनिक ध्वनि तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जाए, ताकि यह युवाओं को भी आकर्षित कर सके। हरियाणवी फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री में रागनी को स्थान दिया जाए। रागनी को रैप और हिप-हॉप जैसी आधुनिक शैलियों के साथ मिलाकर फ्यूज़न रागनी तैयार की जाए, जिससे यह युवाओं तक प्रभावी रूप से पहुंचे। हरियाणवी लोकसंस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग रागनी आज विलुप्ति के कगार पर है। मनोरंजन के आधुनिक साधनों के आगमन और बदलते सामाजिक परिवेश के कारण यह कला पिछड़ती जा रही है। यदि समय रहते इसके संरक्षण के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत केवल किताबों में ही देखने को मिलेगी। स्कूलों और कॉलेजों में रागनी को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, ताकि युवा पीढ़ी इसकी जड़ों से जुड़ सके। विश्वविद्यालयों में लोककला और संगीत की पढ़ाई के अंतर्गत रागनी पर शोध को बढ़ावा दिया जाए। बच्चों को पारंपरिक संगीत में रुचि दिलाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थानों को लोक महोत्सवों में रागनी को विशेष स्थान देना चाहिए। यूट्यूब, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया के माध्यम से इसे युवाओं तक पहुँचाया जा सकता है। स्कूलों और कॉलेजों में रागनी की शिक्षा दी जानी चाहिए। लोक कलाकारों को आर्थिक और सामाजिक समर्थन दिया जाना चाहिए। रागनी केवल एक गीत शैली नहीं, बल्कि हरियाणा की संस्कृति की पहचान है। यदि इसे संरक्षित करने के लिए उचित क़दम नहीं उठाए गए, तो यह अमूल्य धरोहर धीरे-धीरे विलुप्त हो जाएगी।

अब समय आ गया है कि हम इसे फिर से लोकप्रिय बनाएं और इसकी समृद्ध परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। रागनी केवल लोकगायन नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का सशक्त माध्यम है। यह सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज़ उठाने, सुधार की ओर प्रेरित करने और बदलाव लाने की ताकत रखती है। अगर इसे सही दिशा में प्रोत्साहित किया जाए, तो यह समाज सुधार की एक मज़बूत नींव बन सकती है।

रागनी सिर्फ़ गीत नहीं, ये समाज की आवाज़ है!
लोककला हमारी पहचान है, इसे बचाना हमारी शान है!

कविता — संदीप शर्मा

खेल पुराणे कड़ै गए

बता रै बील्ले खेल्या करते, वैं खेल पुराणे कड़ै गए ।
बित्ती डंडा गोली कंचे, रोज उल्हाणे कड़ै गए ।

चौक पै टोफी बेच्या करता, वो ताऊ भोळा कड़ै गया
कित गए कलम दवात बता, कट्टे का झोळा कड़ै गया
तीन और दो का करा फैसला, यार बिचौला कड़ै गया
भाड मैं भूगडे भुन्या करता, वो दादा ढोला कड़ै गया
बिन्या लीतर् यां हान्डया करते, वैं सीम सिमाणे कड़ै गए

कित गया बड कित गया पीपळ,कित जाम्मण आळा मोर गया
कित गई कात्तर की गींडी, कित खेल वो घट्टाटोर गया
कित गई गाड्डी कित गए रहड्डू, कित वो कच्चा गोहर गया
कित गए हाळी कित गए पाळी, कित वो डांगर ढोर गया
कड़ै सिपाही चोर गया,ल्हुक कै नैं डराणे कड़ै गए ।

बाग तलक जो फैले थे वैं, शीशम जांडी कड़ै गए
ऐडी ठा चढ चीज मिलै, वैं टांड और टांडी कड़ै गए
जेठ मैं पाणी सीळा रह वैं, बास्सण हांडी कड़ै गए
राम बरसतए उतर् या करते,वैं पूडे मांडी कड़ै गए
वैं माणस आंडी कड़ै गए,वैं टेम सुहाणे कड़ै गए ।

होया करदी सन्दीप कदे आडै,ऊँची हाट चुबार् यां की
कित गई प्यारे की साईकल जो,लदी रहै थी सार् यां की
छींटे दे-दे थळस्या करते,कित गई पाळ वैं गार् या की
कित पीत्तलके डेग गए कित, आग्य चली गई हार् यां की
कित का डंडा की जाळ गई,जोहडां मैं न्हाणे कड़ै गए ।

कविता — सरोज दहिया

किसनै भारत देस बिगाड़या

साड्ढा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये;
फिल्मां सेत्ती फैसन फैलया, सत करम मिलैं ना टोह्ये ।

झूठी साच्ची घड़ै कहाणी, लोगां नै भरमावैं,
मूरख छोड्डैं काम, अकलबंद नाम्मा खूब कमावैं;
भांड-भडेले-सांगी सारे, एक्टर ईब कहवावैं,
पहल्यां करैं कमाई, फेर संसद म्हैं कुर्सी पावैं ;

नंगड़ जादू सीख गये , सारे नर-नारी मोह्ये,
साड्ढा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये ।

फिल्मां की थी कसर किते, वा इस डिजिटल नै हर ली,
चैनल खूब खखाटे ठाहें, सरम समूची मर ली ;
झूठी कहाणी तैर रही सैं, साची बरगी लाग्गै,
बुद्धि ऊपर पड़दे पड़गे, लोग रात नै जाग्गै ;

धरम-करम ना रहे बखत पै, हांडैं खोये खोये,
साड्ढा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये ।

ज्ञान रह्या ना आश्रमां का, काम वरण तै न्यारे;
बाह्मण पनही बेच रहे सैं, छतरी बणे बिचारे;
जमींदार नै धरती बेची, होगे वारे-न्यारे,
मीहने आळी तनख़ा भा गी, ओट रहे दुत्कारे ;

'दहिया' नै तै गाम-काम म्हैं, जिंदगी के सुख टोह्ये,
साड्ढा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये ।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

शक्तिपीठ — राजस्थान के करौली जिले के कैलादेवी गांव में स्थित शक्तिपीठ उत्तर भारत के करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां विशाल मेला लगता है

सिद्ध शक्तिपीठ राज राजेश्वरी कैलादेवी मंदिर

धर्म — विकास खितौलिया

ततः कलियुगे प्राप्ते कैलो नामा भविष्यति ।
मम भक्तस्तस्य नामना भाव्या कैलेश्वरीत्यहम् ।।

प्राचीन ग्रन्थों, स्कन्दपुराण में माता के प्राकट्य एवं चरित्र की अनेक कथायें मिलती हैं । पूर्व में इस कैलादेवी मन्दिर में केला मां का यह श्री विग्रह कब और कहाँ से आया, इसका कोई प्राचीन लिखित लेख, अभिलेख या बीजक तो मिलता नहीं। हाँ, जनश्रुति तथा वृद्धजनों के आधार पर इस सिद्धपीठ की स्थापना के विषय में जो कुछ मैया केला रानी के चमत्कारों और उत्पति की अनेक किवदन्तियों से ज्ञात हो सका वह इस प्रकार है कि प्राचीनकाल में बाँसीखेड़ा के पास एक प्राचीन ग्राम लोहर्रा के भयानक जंगल में स्थित गिरी, कन्दराओं में एक दानव रहता था जिसके आतंक के कारण संयासी एवं आमजन ग्रामवासी थर-थर कांपते थे। वहीं लोहर्रा ग्राम से कुछ दूरी पर वर्तमान मन्दिर से 3 किमी दूर एक गुफा में जहाँ बाबा केदारगिरि, माँ भगवती की उपासना तप किया करते थे। दानव के आतंक से मुक्ति दिलवाने के लिए बाबा केदारगिरि ने स्वयं हिंगलाज पर्वत पर जाकर घोर तपस्या की और मां कैलादेवी को प्रसन्न किया और वरदान मांगा कि वह दानव का नरसंहार करे। कुछ समय पश्चात ने उस दानव का मां कैला ने एक कन्या के रूप में कालीसिन्ध नदी के तट पर वध कर दिया। वर्तमान समय में इस स्थान को दानवदह (दानादह) के नाम से जाना जाता है जहां एक बडे पाषाण पर आज भी दानव के पैरों के चिन्ह तथा माताजी के चिन्ह एक शिला पर बने हुए हैं। दानव के वध के पश्चात बाबा केदारगिरी ने कैलादेवी प्रतिमा की स्थापना 1114 ई. में की थी। कैला ग्राम के समीप घोर बियावान जंगल के त्रिकूट नामक पर्वत पर राज राजेश्वरी कैलादेवी का दिव्य मन्दिर है। इस विशाल बियावान जंगल को कैलादेवी अभयारण्य कहा जाता है। यह उत्तर भारत के सिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। मन्दिर के नीचे धनुषाकार में एक नदी बहती है जिसे कालीसिल (शिला) नदी कहा जाता है। लगभग सन्‍ 1700 ई. में पुनः निर्मित कैला देवी माँ का यह सिद्ध शक्तिपीठ करौली राज्य जनपद में होने के कारण ही इन्हें करौली वाली माता भी कहा जाने लगा।

बोहरा भगत की किवदन्ती के अनुसार वह अपनी बकरियाँ को उस दुर्गम पहाड़ियों पर चराता था, प्रतिदिन उसकी बकरियां एक विशेष स्थान पर अपना दूध सृवित करती थी। उसने भक्ति भाव से इस स्थल की खुदाई की तो मां केला देवी की प्रतिमा निकली। भगत ने भक्तिपूर्वक पूजन कर ज्योति जगाई धीरे-धीरे प्रतिमा की ख्याति पूरे क्षेत्र में फैल गई। निकटस्थ आमपीतुपुरा ग्राम के मीणा परिवार ने अपनी भक्ति से देवी को प्रसन्न किया। तभी से उसी परिवार के बंशज देवी का भाव प्रकट करके गोठिया कहलाते हैं। अधिकांश लोगों में चर्चा रहती है की माँ कैला देवी की मूर्ति का मुख एक ओर टेढ़ा क्यों है। इस बारे में भी कई किवदन्तियाँ हैं। इनमें कौनसी बात सही है, यह बताना मुश्किल है। कुछ विद्वान लोगों का विचार है कि मां चामुण्डाजी तमोगुणी है और वह मांस मदिरा आदि का भक्षण करती है और माँ कैलादेवी सात्विकी, सतोगुणी है और वे इन चीजों का सेवन नहीं करतीं इसलिए मातेश्वरी केला ने अपना मुख चामुण्डा देवी की ओर से घुमा लिया है ।

एक किवदन्ती के अनुसार आगरे के रहने वाले गोली भगतजी भी कैलादेवी का अनन्य भक्त था जो पुराने जमाने में बैलगाड़ियों के रसाले के साथ देवी भक्तों को लेकर प्रति वर्ष कैलादेवी मंदिर आता था। गोली भक्त को किसी कारणवश मन्दिर में दर्शन नहीं करने दिये, इससे माँ कुपित हो गई और इसी से उनका मुख एक ओर टेढ़ा हो गया। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि माताजी का एक भक्त जाते समय माँ से कह गया था कि माँ मैं जल्दी ही लौट कर आऊँगा लेकिन वह फिर नहीं आ सका। अतः माँ का भक्त जिस दिशा में गया था, उसी ओर देखकर उस भक्त की प्रतीक्षा कर रही है।

माँ श्रीकैलादेवी का यह मन्दिर अब जिस भूमि पर बना हुआ है, वह भूमि कभी चम्बल नदी के पार कोटा राज्य में खींची राजा श्री खींची मुकुन्ददास के अधिकार में थी। इन्होंने श्रीकैलादेवी मन्दिर से लगभग 10 किमी. दूर दक्षिण में बसे बाँसीखेरा गाँव में स्थापना बीजक सम्वत 1207 में मां चामुण्डा की मूर्ति स्थापित कर उसकी आराधना की थी। बाँसीखेरा ग्राम खण्डर रूप में परिवर्तित होने के कारण चामुण्डा मैया की यही मूर्ति बाद में सेवा-पूजा के अभाव के कारण करौली के महाराज श्री गोपालसिंह के द्वारा 1708 ई. में यहाँ प्रतिष्ठित हुई । 1787 में मन्दिर का निर्माण कार्य पूरा हुआ बाद में अन्य परवतीं करौली यदुवंशी शासकों द्वारा समय समय पर मंदिर का व्यापक विकास होता चला आ रहा है। राजा जयसिंहपाल, राजा अर्जुनपाल, राजा भंवरपाल, राजा कृष्ण चंद्रपाल, युवराज विवासतपाल ने मंदिर में अनेक विकास कार्य मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से करवाए । प्रतिवर्ष यहाँ अमावस्या से लेकर नवमी तक हजारों दर्शनार्थी पहुँचते हैं। किन्तु चैत्र माह की नवरात्रें के दिनों में तो अपार जन-समूह एकत्र होता है। लाखों जात देने वाले परिवार यहाँ पहुँचकर माता के दर्शन-पूजा करते हैं। अपनी माता की पहली जात देने की लिए श्रद्धालुजन विवाह पश्चात नवविवाहित जोड़े को लेकर माता के दर्शन-पूजा करते हैं और संतान प्राप्ति का सुख पाकर एवं अपनी मन्नत पूरी करने के पश्चात भी आते है । यहाँ नवरात्रों के समय विशालतम लक्खी मेला का आयोजन होता है जिसे कुम्भ के बाद उत्तर भारत का दूसरा धार्मिक मेला माना जाता है। प्रतिदिन रोजाना लाखों की संख्या में दूरदराज के पदयात्री ध्वज लेकर आते हैं। मेले के दौरान महिला यात्री सुहाग के प्रतीक के रूप में हरे रंग की चुड़ियां एवं सिन्दूर की खरीदारी करती हैं।

समाज निर्माण में फिल्मों का अहम योगदान : अशोक वर्मा

कलाकार — ओ.पी. पाल

हरियाणवी सिनेमा के दौर को जीवंत करने के लिए फिल्म और लोक कला से जुड़े कलाकारों ने अपनी संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत करने के लिए बॉलीवुड तक का सफर तय किया है। ऐसे कलाकारों में पिछले लंबे समय से हरियाणवीं फिल्म उद्योग से जुड़े अभिनेता अशोक वर्मा भी शुमार है, जिन्होंने सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर फिल्मों, वेब सरीज और सीरियलों में अपनी अभिनय की कला के साथ फिल्म निर्माता के रूप में भी लोकप्रियता हासिल की है। हिंदी, पंजाबी और हरियाणवी सिनेमा में लेखन और अभिनय के साथ हास्य कलाकार के रुप में उन्होंने हिरयाणवी संस्कृति और सामाजिक सरोकार से जुड़ मुद्दों को सर्वपरि रखते हुए युवा पीढ़ी को भी सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया है। फिल्म निर्माता और अभिनेता अशोक वर्मा ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें फिल्मों की पटकथा का सकारात्मक दृष्टिकोण समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है।

हरियाणवी फिल्म निर्माता और अभिनेता अशोक वर्मा का जन्म 6 सितंबर 1982 को जींद जिले के गांव रामकली में धर्मवीर वर्मा और ओमपति देवी के घर में हुआ। उनके पिता जींद के सफीदों में हरियाणा स्वास्थ्य विभाग में फोरमैन के पद पर तैनात रहे, जहां वह बचपन से ही परिवार के साथ रहते हैं। घर परिवार में भले ही कोई सांस्कृतिक या कला का माहौल नहीं था, लेकिन अशोक वर्मा को बचपन से ही सांस्कृतिक गतिविधियों में रुचि थी। स्कूल के दौरान वह बाल सभाओं में होने वाले वाले कार्यक्रमों में हिस्सेदारी करते थे। बकौल अशोक वर्मा, साल 2001 में वह जब लैब तकनीशियन की परीक्षा देने चंडीगढ़ गए, तो पता चला कि पंजाबी हास्य कलाकार जसपाल भट्टी भी यहीं रहते हैं और उन्होंने उनसे मुलाकात करके अपनी कला को साझा किया। उन्होंने अपने साथ काम करने का मौका दिया और यहीं से उनका पंजाबी सीरियल प्रोफेसर मनी प्लांट से कला के क्षेत्र में करियर शुरू हुआ। अशोक वर्मा ने बचपन में फिल्मों में काम करने का जो सपना संजोया था उसी लक्ष्य के साथ वह 2005 में मुंबई पहुंच गये, जहां उन्होंने अपने एक दोस्त एवं टीवी सीरियल डायरेक्टर अभिषेक भोला के कहने पर हिंदी बॉलीवुड फिल्म 'गोल्डन बॉयज' के लिए ऑडिशन दिया, जिसके लिए उन्हें डॉक्टर के किरदार के रूप में असरानी और मुकेश तिवारी जैसे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। इसी दौरान उन्होंने स्टार प्लस टीवी धारावाहिक में बॉलीवुड अभिनेता के साथ भी अभिनय करने के अलावा हिंदी सीरियल लापतागंज में काम किया, लेकिन कुछ परिवारिक समस्याओं के कारण उन्हें वापस हरियाणा आना पड़ा। उन्होंने हरियाणवी वेब सीरीज़ भूतां का बटेऊ, फिल्मी थाना, दो जुगाड़ी, पहलवान बहु, फंडू सरपंच, फंडू का स्कूल, टाइम पास, धर्मे का कुनबा आदि कई अन्य फिल्मों में हास्य कला का प्रदर्शन किया। तब से वह लगातार हरियाणवी फिल्म उद्योग में काम कर रहे हैं।

ऐसे मिली अभिनय को मंजिल

अभिनेता अशोक वर्मा ने पिछले दो दशक से ज्यादा समय में हरियाणवी, पंजाबी और हिंदी सिनेमा में काम करते हुए फिल्म निर्माता और फिल्म पटकथा लेखक के रूप में भी लोकप्रियता हासिल की है। अब तक 15 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय करने के साथ उन्होंने करीब 20 वेब सीरीज में भी प्रमुख अभिनेता का किरदार निभाया। उनके द्वारा निर्मित हिट फिल्मों में पुनर्जन्म, रमेश रोशनी की लव स्टोरी, वीर किसान, स्वर्ग वर्सेस नरक, भाईचारा आदि में अपने अभिनय की कला को दिखाया है। लोकप्रिय फिल्म निर्माता एवं अभिनेता की आने वाली फिल्मों में मासूम शर्मा, यशपाल शर्मा व सपना चौधरी के साथ फिल्म 'लाइसेंस' मुकेश दहिया के साथ फिल्म 'हलालपुर' के अलावा प्रीत पराई, कमीनो के सुपर स्टार, धीमा जहर, हैलो पुलिस, गडरिया, हॉरर, अनामिका होंगी। वहीं सुमन सेन और अनामिका बावा के साथ फिल्म 'एक रहस्य' और फिल्म 'रोहतक कब्ज़ा' हैं, जिसमें उन्होंने आशुमन प्रोडक्शन के तहत निर्माता की भूमिका भी निभाई है। इसके अलावा अशोक वर्मा ने अमित सैनी रोहतकिया, मासूम शर्मा, एमडी, केडी, देव कुमार देवा, सुरेंद्र रोमियो, मनीष मस्त, जीतू जी, विक्की काजला अन्नू कादयान, वीर साहू, सपना चौधरी आदि हरियाणवी टॉप सिंगरों के साथ भी करीब 400 हरियाणवी गानो में बतौर मॉडल व अभिनेता काम किया है। वहीं सरकार, राजनीतिक और विभिन्न कंपनियों के विज्ञापन फिल्मों में भी एक्टिंग की है।

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणवी फिल्म निर्माता एवं अभिनेता अशोक वर्मा की फिल्म 'धीमा जहर' को हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रोहतक के एमडीयू में आयोजित हरियाणा फिल्म महोत्सव में बेस्ट एडिटर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। साल 2022 में ग्लोबल आईकोनिक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

खबर संक्षेप

सती माता मंदिर के पास मिले शव की हुई पहचान

नारनौल। पटीकरा में सती माता मंदिर पास मिले नवयुवक के शव की पहचान करीब 27 वर्षीय अंकित कुमार पुत्र राकेश कुमार वासी गांव सेका के रूप में हुई है। सिटी पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के मुताबिक पटीकरा के सती माता मंदिर के समीप शनिवार प्रातः करीब 11 बजे एक नवयुवक के शव को पड़ा देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया। तब मृतक के शरीर से भारी बदबू आ रही थी और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल नारनौल की मोर्चरी में रखवा दिया। तब तक उसकी पहचान नहीं हुई थी। रविवार प्रातः पुलिस की तरफ से सेका में मृतक के परिजनों के पास फोन गया, जिस पर वे अस्पताल पहुंचे।

अनाज मंडी नांगल चौधरी से 60 बैग सरसों चोरी

नारनौल। नांगल चौधरी की अनाज मंडी में स्थित दुकान नंबर 17 से 60 बैग सरसों चोरी हो गई। पीड़ति सुनील कुमार वासी नौलायजा ने बताया कि उसने अनाज मंडी नांगल चौधरी में सहीराम अत्तर सिंह के नाम से दुकान नंबर 17 में आढ़त की दुकान की हुई है। गत 17 अप्रैल की रात्रि को उसकी फड़ से 60 बैग सरसों कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। उसने सरसों की तलाश भी की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने सरसों चोरी होने का मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

पेंशन वित्त विधेयक के विरोध में प्रदर्शन कल

नारनौल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (रजिस्टर्ड नंबरः0196) के राज्य प्रेस सचिव धर्मपाल शर्मा ने बताया कि राज्य प्रधान मास्टर वजीर सिंह, महासचिव रतन जिंदल व समस्त राज्य कार्यकारिणी के निर्णय अनुसार लोकसभा में पेंशन वित्त विधेयक पास करने के विरोध में 22 अप्रैल को उपायुक्त कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा गत 25 मार्च को लोकसभा में पेंशन वित्त विधेयक पास किया गया है, जिसमें 31 दिसंबर 2025 से पहले सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी तथा पुराने पेंशनर्स को आठवीं वेतन आयोग का लाभ नहीं दिया जाएगा और वह न्यायालय में अपील नहीं कर पाएगा, जिससे वरिष्ठ रिटायर्ड कर्मचारियों को पेंशन में भारी नुकसान होगा। जबकि बढ़ती उम्र में ज्यादा आर्थिक लाभ की जरूरत है।

समस्या समाधान के दावे के बावजूद शहर में सीवर हो रहे ओवरफ्लो

- नगर परिषद ने पिछले सात–आठ साल में जितनी भी नालियों, नालों एवं सड़कों का निर्माण करवाया, उन नालियों की निकासी सीवर की होदियों में कर दी।

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग अब तक ओवरफ्लो की समस्या से निजात दिलाने में रहा नाकाम

नारनौल। चांदुवाड़ा में ओवरफ्लो सीवर से बहती गंदगी व मिल्क चिलिंग प्लांट के सामने तोड़ी गई सड़क, जिसकी मरम्मत तक नहीं करवाई। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

लंबे समय से शहरवासियों को ओवरफ्लो सीवर की समस्या से निजात नहीं मिल पाई है। यह तब है, जब जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग समस्या की मूल जड़ ढूंढकर उसे हल करने का दावा कर रहा है। पिछले दिनों रेवाड़ी रोड पर बने चिलिंग मिल्क प्लांट के सामने नेशनल हाईवे मार्ग नंबर 11 के एकतरफ के भाग को तोड़ा गया और महीनेभर तक बंद रखकर समस्या हल समाधान करने का प्रयास किया गया। मगर कमाल है कि इसके बावजूद भी शहर में जगह–जगह सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं और आमजन परेशान हैं। बता दें कि ओवरफ्लो सीवर की समस्या नारनौल शहर के लिए नासूर बन चुकी है। यह समस्या कई सालों से है, जो बार–बार उभरकर विभाग के लिए चुनौती बनकर खड़ी हो जाती है। इसी विकराल समस्या को हल करने के लिए विभाग ने करीब एक महीना पहले रेवाड़ी रोड पर जिला पुस्तकालय के सामने डाक्टर आहुजा की तरफ से नेशनल हाईवे मार्ग नंबर 11 को काफी दूरी में तोड़ दिया था। विभाग का मानना था कि वहां पर मिट्टी में गहराई में दबी पाइप लाइन चॉक यानि बंद हो गई है, जिस कारण पीछे के सीवर ओवरफ्लो होते रहते हैं। कमाल की बात है कि जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने वहां की लाइन को आहुजा अस्पताल से मोड़ावाला मंदिर गेट तक बदल भी दिया, लेकिन समस्या हल नहीं हुई। अब भी शहर में जगह–जगह सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं तथा लोग इनसे निकलकर गलियों एवं नालियों में बहने वाली गंदगी एवं बदबू से भारी परेशान हैं। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि सड़क के इसी हिस्से को करीब तीन साल पहले भी खुदाई करके नई लाइनें डाली गई थी, तब भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया था, जिस कारण अब एक माह पहले वही कार्य दोहराना पड़ा है।

नालियों को जोड़ रखा है सीवर में

शहर में सीवर की समस्या को बढ़ाने के लिए काफी हद तक नगर परिषद भी जिम्मेवार है। नगर परिषद ने पिछले सात–आठ साल में जितनी भी नालियों, नालों एवं सड़कों का निर्माण करवाया, उन नालियों की निकासी सीवर की होदियों में कर दी। जिस कारण घरों के रोजाना के बहने वाले नालियों के पानी के साथ–साथ बरसात का पानी भी इन्हीं सीवर लाइनों से बहने लगा है, जबकि शहर में एक भी सीवर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट ऐसा नहीं है, जहां निकासी प्राकृतिक हो यानि अपने आप निकलती हो। इसके लिए एसटीपी को बिजली से चलाना पड़ता है, जबकि बिजली नहीं होने या मोटरें खराब होने की स्थिति में लाइनें भर जाती हैं और बार–बार ओवरफ्लो होती रहती हैं।

यह कहते हैं अधिकारी

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के जेई आकाश ने बताया कि सीवर समस्या को हल कर दिया गया है। अब कहीं सीवर ओवरफ्लो नहीं होते। यदि कहीं सीवर बह रहे हैं तो इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि शहर में ओवरफ्लो सीवर की समस्या घरों की नालियों को सीवरों से जोड़ने के कारण है। इनमें घरों के साथ–साथ बरसात का पानी भी भर जाता है। नगर परिषद को नालियों पर पॉलीथीन आदि रोकने के लिए जालियां लगाने के लिए बोला गया है, लेकिन सुधार नहीं हो पाया है। फिर से रिमाइंड करवाएंगे।

नहीं करवाई सड़क की मरम्मत

जनस्वास्थ्य विभाग ने अपनी सीवर लाइनें ठीक करने के लिए बेशक से नेशनल हाइवे की सड़क को तोड़ दिया हो, लेकिन कमाल की बात है कि अपना काम निकालने के बाद विभाग ने सड़क की मरम्मत तक करवाना उचित नहीं समझा है। जिस कारण जिस हिस्से में सड़क तोड़ी, वहां अब भी गड्ढे बने हैं तथा धूल–मिट्टी बनी है और लोग परेशान हैं।

इन स्थानों पर हो रहे सीवर

बेशक से आजकल भीषण गर्मी पड़ने लगी है, लेकिन ओवरफ्लो सीवर सूखने का नाम ही नहीं ले रहे। उनकी गंदगी से मोहल्ला चांदुवाड़ा में डा. नरूला के घर के सामने बहता सीवर जनस्वास्थ्य विभाग को चिड़ा रहा है। इसी प्रकार मोहल्ला नलापुर, मालीटिब्बा, सीआईए रोड, कोलियान, इंदिरा कॉलोनी समेत अनेक जगह ऐसी हैं, जहां ओवरफ्लो सीवर की समस्या बार–बार बनी रहती है। इन दिनों यहां के सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं तथा लोग भाग परेशान हैं, लेकिन विभाग इससे अनभिज्ञता जता रहा है।

यह बोले आमलोग

चांदुवाड़ा में शुक्ला कार्ड के एंपलाई मुकेश यादव, वरिष्ठ नेता सूरज बौहरा, सीआईए रोड के पार्षद देवेंद्र, कोलियान मोहल्ला के भीमसिंह आदि ने बताया कि हमारे यहां सीवर कभी विरले ही सही प्रकार से चलते हैं। अन्यथा यह अक्सर ओवरफ्लो ही होते रहते हैं। इनकी बार–बार शिकायत करके वह थक चुके हैं, लेकिन विभाग के कर्मचारी और अधिकारी ध्यान ही नहीं देते। उन्हें इस समस्या से बार–बार अवगत कराया जाता है, लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बनी है।

तारों से निकली चिंगारी से जलकर राख हुई साढ़े पांच एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल

किसान के सपने हुए चूर-चूर, सदमे में परिवार

कनीना। पीड़ित किसान को सांत्वना देते गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

खुशियां गहन चिंता में बदली

पीड़ित किसान सुमित ने बताया कि परिवार में शादी विवाह एवं सामाजिक कार्यक्रम सहित सभी खुशियां उनकी इस फसल से होने वाली आमदनी पर आधारित थी, लेकिन अब उनकी खुशियां गहन चिंता में बदल गई। किसान ने बताया कि आगजनी की इस घटना के बाद पूरा परिवार सदमे में है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

कनीना में रेवाड़ी रोड पर रविवार दोपहर के समय घटित हुई आगजनी की घटना में साढ़े पांच एकड़ जमीन में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। जिससे किसान के सपने चूर-चूर हो गए। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब एक बजे ज्यों ही बिजली सप्लाई की गई त्यों ही हवा के झोंके से निकली चिंगारी विकराल रूप धारण करती चली गई। मौके पर मौजूद आसपास के किसानों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग की बढ़ती लपटों के कारण काबू नहीं पाया जा सका। जानकारी के अनुसार साढ़े पांच एकड़ जमीन नगर पालिका के पूर्व प्रधान मास्टर दलीप सिंह की बताई गई है। जिसे गांव के ही किसान सुमित पुत्र भागीरथ निवासी कनीना ने माल बंटाई पर लिया हुआ था। किसान फसल कटाई के लिए कंबाइन मशीन लाने के लिए गया हुआ था, लेकिन पीछे से घटित हुई आगजनी की घटना ने उनके सपनों पर पानी फेर दिया। आगजनी की सूचना डायल 112 फायरब्रिगेड को दी गईद्ध जिन्होंने मौके पर पहुंचकर आगजनी पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

कनीना। खेतों में आग लगने से राख हुई गेहूं की फसल। फोटो : हरिभूमि

कनीना। मौके पर पहुंचे राजस्व विभाग के अधिकारी, फायरब्रिगेड कर्मचारी व ग्रामीण।

मुआवजे का दिया आश्वासन

वहीं जानकारी मिलने पर नगर पालिका के पूर्व प्रधान एवं पार्षद राजेंद्र सिंह लोढ़ा, पार्षद दीपक चौधरी सहित सैकड़ों प्रबुद्धजन मौके पर पहुंचे और पीड़ित किसान को ढाढस बंधाया तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने मौका देखकर सरकार से उचित मुआवजा दिलवाने की दिशा में प्रयास शुरू किए। मौके पर बिजली निगम के एसडीओ उमेश कुमार वर्मा, भू राजस्व विभाग के पटवारी अनूप सुहाग, सिटी थाना पुलिस पहुंची। जिन्होंने नुकसान का आकलन कर नुकसान की रिपोर्ट शीघ्र ही सरकार तक भिजवाने का आश्वासन दिया।

मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन आज सौंपेंगी ज्ञापन

मंडी अटेली। मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन सम्बंधित एआईयूटीयूसी की जिला प्रधान सुनीता, जिला सचिव सन्तोष यादव, श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह ने शनिवार को एक संयुक्त प्रेस नोट जारी कर बताया कि जिलाभर की मिड-डे मील कार्यकर्ता 21 अप्रैल को दोपहर एक बजे लघु सचिवालय पार्क नारनौल में एकत्रित होकर राज्य महासचिव कुसुम पांचाल के बदले की भावना से की गई बर्खास्तगी के विरोध में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपेंगी।

मंदिर जा रहे दंपत्ति सड़क हादसे में घायल

नारनौल। सिंघाना रोड पर खालड़ा के हनुमान मंदिर जा रहे स्कूटी सवार एक दंपत्ति को कार ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए तथा उनके मोबाइल फोन भी टूट गए। आसपास के लोगों ने उपचार के लिए उन्हें अस्पताल पहुंचाया। पीड़िता मीना देवी पत्नी सूरत सिंह गांव धौलेड़ा हाल आबाद केशव नगर गली नंबर पांच नारनौल ने बताया कि उसका पति सूरत सिंह फौज से रिटायर होकर हरियाणा पुलिस में एसपीओ लगा हुआ है। वह दोनों गत 16 अप्रैल को सुबह करीब नौ बजे स्कूल से खालड़ा मंदिर जा रहे थे। स्कूटी पति सूरत सिंह चला रहा था तथा वह खुद पीछे बैठी थी।

महेंद्रगढ़। पेड़ पर पड़ा टीनशेड। फोटो : हरिभूमि

तेज अंधड़ में उजड़ा गरीब परिवार का आशियाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

पश्चिमी विक्षोभ के चलते आए तेज अंधड़ ने महेंद्रगढ़ जिले के गांव बवाना में एक गरीब परिवार का आशियाना उजाड़ दिया। शनिवार शाम अचानक आए तेज तूफान में एक मकान की छत पर लगा टीन शेड उखड़कर हवा में उड़ गया और करीब 100 मीटर दूर जाकर पेड़ों में उलझ गया। गनीमत यह रही कि टीनशेड किसी राहगीर या आमजन के ऊपर नहीं गिरा, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

घर की बुजुर्ग महिला चांदबाई ने बताया कि इस तेज अंधड़ के कारण उनका टीनशेड पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आर्थिक तंगी से जूझ रहे इस परिवार के लिए यह हादसा किसी बड़े संकट से कम नहीं है। परिवार में कमाने वाला कोई नहीं है और अब उनके पशु भी झुलसाने वाली गर्मी में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। तेज अंधड़ में उड़ते हुए टीनशेड के कुछ हिस्से पड़ोसियों की छत पर जा गिरे और वहां लगी सोलर प्लेट और पानी की टंकी को भी नुकसान पहुंचा दिया। सोलर प्लेट और टंकी टूटने से पड़ोसियों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। चांदबाई ने बताया कि उन्होंने इस घटना की सूचना गांव के सरपंच और क्षेत्रीय विधायक कंवर सिंह को दी है। विधायक कंवर सिंह ने जल्द से जल्द हर संभव सहायता दिलवाने का आश्वासन दिया है। गांववासियों ने भी प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की गुहार लगाई है।

जेईई मेन में आरपीएस के 55 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाईल से अधिक पाया स्कोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित जेईई मेन के परीक्षा परिणामों में आरपीएस ग्रुप के 55 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल व इससे अधिक अंक प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान रचा। आरपीएस की हर्षि ने 99.985, परसेंटाईल, छवि यादव ने 99.92 परसेंटाईल, सुजल व पियूष व सुजल ने 99.86 परसेंटाइल प्राप्त कर अंकों की सर्वश्रेष्ठता का शिखर छुआ है, वहीं विषयवार परीक्षा परिणाम पर नजर डालें तो आरपीएस की हर्षि, ईशान, लक्षिता व अनुज ने फिजिक्स में 100 पर्सेंटाइल प्राप्त कर पूरे भारत में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन की अमिट छाप छोड़ी।

वहीं मैथ्स में ईशान ने 100 परसेंटाइल, छवि ने 99.99, हर्षि ने 99.98, तनिष्क व कार्तिक ने फिजिक्स में 99.96 पर्सेंटाइल प्राप्त की तो वहीं केमेस्ट्रि में हर्षि ने 99.98 पर्सेंटाइल प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। आरपीएस ग्रुप सीईओ इंजी मनीष राव ने बताया की हर्षि ने 99.985 परसेंटाइल, छवि यादव ने 99.92, सुजल ने 99.86, पियुष ने 99.86, प्रणव कुमार ने 99.83, हर्षित राय ने 99.80, सिद्वार्थ आर्य ने 99.80, इसान अफरिया ने 99.79, चनदाशू ने 99.44, रितविक ने 99.44, रिदम ने 99.77, दिव्यांशी तेवतीया ने 99.77, गुणादित्य संधू ने 99.77, चितवन ने 99.75, प्रियांशु ने 99.75, कृष ने 99.74, अनुज ने 99.69, याशिका ने 99.60, ललित ने 99.58, सुमित पहल ने 99.55, कार्तिक ने 99.52, कृष ने 99.52, श्रुति ने 99.52, द्वितिया गर्ग ने 99.51, मान्यु यादव ने 99.51, वंश ने 99.46, शुभम ने 99.46, विवान राव ने 99.42, विनय ने 99.42, लक्षिका ने 99.38, श्रेयांश रावत ने 99.38, अन्नु शर्मा ने 99.37,अभिनव व अमितानश ने 99.37, दिव्यम ने 99.35, दिपांशु ने 99.34, सिद्धार्थ ने 99.34,कशिश ने 99.33, मानस झा ने 99.32, योगेश कुमार व अंकित गौतम ने 99.29, गुलशन कुमार ने 99.29, मानव चैधरी ने 99.29, निखिल ने 99.26, रिजुल ने 99.20, प्रियांशु ने 99.19, मोहित यादव ने 99.15, रेनित राव ने 99.14, प्रियांशु ने 99.14, गौरव सांगवान ने 99.03, हिमेश ने 99.01, हरमित खुराना ने 99, समर्थ ने 99 व रितू यादव ने 99 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव एवं डिप्टी सीईओ कुनाल राव सहित ग्रुप के सभी विद्यालयों के प्राचार्यों ने अपने प्राध्यापकों के उचित मार्गदर्शन व बच्चों की कड़ी मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि एक ही ग्रुप के सबसे अधिक बच्चों ने जेईई मेन में अच्छी प्रसेंटाईल प्राप्त कर आरपीएस के साथ-साथ अपने जिले व प्रदेश का नाम गौरवांवित किया है।

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

इंडोर कोर्ट, टेबल टेनिस हॉल, वीआईपी सिटिंग, लॉकर रूम जैसी सुविधा होगी

नारनौल शहर में बनेगा पहला अत्यधिक इंदौर स्पोर्ट्स कंपलेक्स, करीब 791 लाख रुपये की आएगी लागत

- 23 को विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के समक्ष होगी प्रोजेक्ट की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नगर परिषद शहर के महता चौक के समीप अत्याधुनिक इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने जा रहा है। करीब 791 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस कॉम्प्लेक्स को लेकर 23 अप्रैल को विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास गुप्ता के समक्ष इस प्रोजेक्ट की समीक्षा होगी। इसके बाद इसके निर्माण के बारे में प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस प्रोजेक्ट से शहर के नागरिकों को इससे बहुत फायदा होगा। यह जानकारी देते हुए जिला नगर आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि तकरीबन एक साल में इसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुल 1670 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनने वाला यह दो मंजिला भवन हर उम्र के खेल प्रेमियों के लिए एक वरदान साबित होगा। इस इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दो मंजिला इमारत बनाई जाएगी। इसमें इंडोर कोर्ट, टेबल टेनिस हॉल, वीआईपी सिटिंग, कैफे, मेडिकल रूम, कोचिंग कैबिन, लॉकर रूम व महिला पुरुषों के लिए स्वच्छ टॉयलेट्स जैसी सुविधाएं होंगी।

नारनौल। शहर बनने वाले इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का डिजाइन।

निर्माण में पर्यावरण का रखा जाएगा पूरा ध्यानः एक्सईएन

नगर परिषद के एक्सईएन सुंदर श्योराण ने इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पहली बार नारनौल में ऐसा स्पोर्ट्स हब बनने जा रहा है, जो खिलाड़ियों की शारीरिक, मानसिक और तकनीकी जरूरतों को एक ही छत के नीचे पूरा करेगा। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण में पर्यावरण का पूरा ध्यान रखा गया है। पर्यावरण मानकों को ध्यान में रखते हुए सोलर एनर्जी, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।

सपना होगा हकीकत

नगर परिषद के एक्सईएन सुंदर श्योराण ने बताया कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स रेलवे स्टेशन से केवल 2.3 किमी व बस स्टैंड से 2.8 किमी दूर स्थित होगा और सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम से सिर्फ 750 मीटर दूरी पर है। ऐसे में इसकी पहुंच हर वर्ग के लोगों के लिए बेहद आसान होगी। नारनौल के युवाओं के लिए यह केवल एक इमारत नहीं, बल्कि एक सपना होगा जो हकीकत में बदलेगा। इस तरह का प्रोजेक्ट महेंद्रगढ़ में पहली बार बनेगा।

खबर संक्षेप

सरकार किसानों को उचित मुआवजा दें : जोगेंद्र तालु

भिवानी। प्रदेशभर में इस बार मौसम की मार और आगजनी की घटनाओं ने किसानों की कमर तोड़ दी है। कई जिलों में आगजनी व बेमौसमी बारिश ने किसानों की गेहूं की फसल नष्ट हो गई, इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि सरकार जल्द से जल्द किसानों को उचित मुआवजा दें, ताकि उन्हें आर्थिक तौर पर राहत पहुंचाई जा सकें। ये मांग ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु ने सरकार से की। तालु ने कहा कि किसानों ने उधार लेकर खेतों में बीज, खाद और पानी की व्यवस्था की थी, लेकिन अब जब फसल तैयार थी और कटाई शुरू हो ही हुई थी, तभी मौसम की मार और आगजनी ने उन्हें पूरी तरह से बर्बाद कर दिया।

बामला में मनाई धन्ना भगत की जयंती

भिवानी। गांव बामला में धन्ना भगत की जयंती पर राष्ट्रीय वीर एकलव्य कल्याण वाहिनी व ग्रामीणों के सहयोग से बड़ी धुम धाम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के संयोजक राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. कपूर लडवाल, प्रधान सुरेंद्र ग्रेवाल बामला, ग्रेवाल खाप प्रधान जगबीर सिंह, धामण खाप उपप्रधान सूबेदार वेदप्रकाश, धामाण खाप सदस्य महेन्द्र सिंह, मेहर सिंह, मास्टर सुरजीत ने धन्ना भगत की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया तथा उनके जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भगत धन्ना एक प्रसिद्ध वैष्णव भक्त और रहस्यवादी कवि थे। वे एक कृष्ण भक्त थे, और उनके तीन भजन आदि ग्रंथ में मौजूद हैं।

एम्स बाढ़सा के लिए 20 युवकों ने किया रक्तदान

चरखी दादरी। मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने गांव काकड़ौली, पंचगांवा, बाढड़ा व गोपी में मेडिकल कैंप व रक्तदान शिविर लगाए। अध्यक्षता अरूण, गोपीराम, विवेक सांगवान, मास्टर रतन सिंह ने की। मुख्य अतिथि रमेश श्योराण, हंसराज शर्मा, देवेंद्र श्योराण, मनफूल सिंह प्रजापत रहे। एम्स बाढसा के चिकित्सकों ने 20 यूनिट रक्त एकत्रित किया। आईकेयर व आईक्यू, गीताजंली, फिट फ्यूचर, रोग निदान की टीम ने आंख व सामान्य रोग के मरीज जांचे, दवा दी। चिकित्सकों आर के कालरा, मनोज, संतोष, चंद्रसेन, विकास, विजय व सहयोगियों ने सेवाएं दी।

कैडेट्स ने बहल कस्बे में चलाया सफाई अभियान

भिवानी। एनसीसी कैडेट्स ने बहल कस्बे में स्वच्छ भारत अभियान के तहत सफाई अभियान चलाया। कस्बे में रोड के दोनों तरफ साफ सफाई की बस स्टैंड परिसर में भी साफ सफाई की और जितना भी कूड़ा करकट इकट्ठा हुआ, उसे नगरपालिका के ट्रक में भरकर कस्बे से बाहर भिजवाया। स्वच्छता अभियान शिविर के कमांडेंट कर्नल राजेश दहिया की देखरेख में सम्पन्न हुआ और इसमें सूबेदार मेजर, 03 जेसीओ, 05 एनसीओ और 150 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया।

11 हरियाणा बटालियन एनसीसी भिवानी द्वारा आयोजित दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में हथियारों से रूबरू और फायरिंग का प्रशिक्षण दिया।

पहलवान बिजेंद्र ने आंखों से वजन उठाया

लोगों को नशे से दूर रहने के लिए दिलवाई शपथ

लोगों को दांतों से झूला झुलाकर शक्ति प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

भिवानी। नशे से दूर रहने की शपथ लेते लोग व महिला को दांतों से रस्सी दबाकर झूला झुलाते पहलवान बिजेंद्र।

नशा एक धीमा जहर है, जो न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे समाज को खोखला कर देता है, ऐसे में नशा जैसी सामाजिक बुराई से लड़ने के लिए जागरूकता कार्यक्रम बहुत जरूरी है। इसी कड़ी में लोगों को विशेषकर युवा वर्ग को नशा जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय युवा जनकल्याण संगठन के अध्यक्ष पहलवान बिजेंद्र सिंह द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के तहत शक्ति प्रदर्शन का लक्ष्य तय किया, जिसके तहत रविवार को मिनी बाईपास शांति नगर में पहलवान बिजेंद्र सिंह ने शक्ति प्रदर्शन किया। भिवानी में आंखों से 18 किलोग्राम वजन उठाने तथा 60 किलोग्राम भार तक के लोगों को दांतों से उठाकर झूला झुलाकर शक्ति प्रदर्शन किया।

इस मौके पर नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर बतौर मुख्यतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ, अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाईस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर, बॉलीबुड अभिनेता दयाल पहलवान, श्रीगंगानगर से स्वामी सुखानंद ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान पहलवान बिजेंद्र सिंह ने विभिन्न स्थानों पर किए शक्ति प्रदर्शन की प्रदर्शनी भी लगाई, जिसका अतिथियों ने अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने 450 किलोग्राम की गाड़ी को कान से खींचने, ऑल्टो कार को 25 मीटर तक अपनी आंखों से खींचने, 70 किलोग्राम के रस्सी बांधकर दांतों से उठाकर 250 मीटर दौड़ लगाना, अपने शरीर पर 1550 हथोड़ों से प्रहार करवाना, टाटा-407 गाड़ी अपने एक पैर से खींचना, तीन मंजिला भवन से सिर के बल छलांग लगाकर कांच तोडऩे जैसे कई शक्ति प्रदर्शन किए, जिसका उद्देश युवाओं को नशे से दूर रहते हुए स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करना था। इसके अलावा वे समय-समय पर प्रशासन के स्वच्छता, नशा मुक्ति, कन्या भ्रूण हत्या रोकने व विभिन्न खेल गतिविधियों से भी जुड़े रहे। पहलवान बिजेंद्र सिंह की उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें योग गुरू बाबा रामदेव के अलावा विभिन्न राष्ट्रीय स्तरीय संस्थाओं द्वारा समय-समय पर सम्मानित भी किया जाता रहा। पहलवान बिजेंद्र सिंह के नाम का प्रश्न हरियाणा जनरल नॉलेज की पुस्तक में भी देखने को मिलता है। शक्ति प्रदर्शन के दौरान बतौर अतिथि पहुंचे विधायक घनश्याम सर्राफ, हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाईस चेयरमैन विजेंद्र बडग़ुज्जर ने कहा कि आज के समय में युवा वर्ग नशे की चपेट में आकर अपने भविष्य को बर्बाद कर रहे है, ऐसे में जागरूकता कार्यक्रम उन्हें अपने स्वर्णिम भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करते है। उन्होंने कहा कि वे गांव-गांव जाकर युवाओं को नशे से दूर रहने तथा फास्ट फूड व जंक फूड न खाने का संदेश देते है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर हरियाणवी कलाकार रजनी चौहान व रूबी चौहान, अशोक कौशिक नांगल, उड़ीसा से बजरंग अग्रवाल, नरेंद्र पंघाल, गौरक्षा दल भिवानी के प्रधान संजय परमार, विजय कुंगड़, समाजसेविका सुशीला देवी, पर्यावरण प्रहरी विजय सिंहमार, केके वर्मा, किरोड़ीमल तंवर, सुनील वर्मा, भीम, विकास अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

छोटी काशी में 9वें दिन जारी रही 41 दिवसीय अढ़ाई कोसी यात्रा

सामूहिक भजन-कीर्तन का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

भिवानी। अढाई कोसी यात्रा निकालते महंत चरणदास व श्रद्धालु।

वृंदावन, मथुरा, और बरसाना जैसी विभिन्न धार्मिक नगरी में निकाली जाने वाली कोसी यात्रा की तर्ज पर स्थानीय हनुमान जोहड़ी मंदिर धाम द्वारा बालयोगी महंत चरणदास महाराज के नेतृत्व में हनुमान जन्मोत्सव से शुरू की गई 41 दिवसीय अढ़ाई कोसी यात्रा रविवार को 9वें दिन भी जारी रही। इस दौरान यात्रा में ना केवल शहर, बल्कि भिवानी से बाहर की नगरी के श्रद्धालुगण भी भारी तादात में पहुंचे तथा छोटी काशी भिवानी के सभी 12 दरवाजों की जानकारी हासिल कर विभिन्न मंदिरों के गौरवमयी इतिहास एवं महत्ता को जाना।

इस मौके पर महंत चरणदास ने कहा कि यह यात्रा सुबह 6 से 8 बजे तक हनुमान जोहड़ी मंदिर से शुरू होकर शहर के रोहतक गेट, महम गेट, तिगड़ाना गेट, हांसी गेट, रेल दरवाजा, दिनोद गेट, देवसर गेट, हलवास गेट, पतराम गेट, हनुमान गेट, बेरी गेट, बावगड़ी गेट आदि 12 दरवाजों व राह में आने वाले विभिन्न मंदिरो को प्रणाम करते हुए वापस हनुमान जोहड़ी मंदिर में ही संपन्न होती है। यात्रा के दौरान सामूहिक भजन-कीर्तन जैसे धार्मिक आयोजन किया जाता है, जिससे सुबह-सेवेरे शहर में आध्यात्मिक वातावरण भी बना।

यदुवंशी स्कूल में नृत्य स्पर्धा का आयोजन

चरखी दादरी । यदुवंशी स्कूल में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया,जिसका शुभारंभ स्कूल के डीन नौरंग लाल ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में छठी से कक्षा प्रतियोगिता में एकल नृत्य में जैश ने प्रथम, दिशिका ने द्वितीय और चंचल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समूह नृत्य स्पर्धा में रिया, माही व तनिशा ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह पर स्कूल के प्राचार्य नरेन्द्र याढव ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और बच्चों व अध्यापकों को भविष्य में इस तरह की प्रतियोगताओं के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगताओं बच्चों में राष्ट्रीय एकता की भावना व भाईचारे जैसे गुणों को बच्चों के मन में जागृत रखती है। उन्होंने बच्चों व अध्यापकों को इस प्रतियोगिता के लिए बधाई दी।

सांसद पुत्र मोहित चौधरी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| चरखी दादरी

लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी ने अटेलाकलां, अटेला नया, डोहका मोजी, डोहका दीना, डूडीवाला किशनपुरा, डूडीवाला नंदकर्ण, डोहकी, पैंतावास खुर्द, पैंतावास कलां आदि गांवों का दौरान ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया तथा केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी दी।

ग्रामीणों ने मोहित चौधरी का भव्य स्वागत किया, जिसके बाद उन्होंने ग्रामीणों से उनकी समस्याएं भी सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। मोहित ने ग्रामीणों को उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि भाजपा सरकार का मुख्य उद्देश्य हर तबके तक विकास पहुंचाना है। मोहित ने कहा कि केंद्र की मोदी व प्रदेश की सैनी सरकार के नेतृत्व में देश व प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब, मजदूर व महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक जन के समान विकास एवं तरक्की को ध्यान में रखते हुए योजनाएं क्रियान्वित कर रही है। चौधरी ने कहा कि भाजपा आमजन की सरकार है।

सैनी कल्याण परिषद ने किया रक्तदाताओं को सम्मानित

कमेटी लोगों को पुनित कार्यों के लिए जागरूक करेगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

नेहरू पार्क के सामने स्थित सैनी धर्मशाला में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में सैनी कल्याण परिषद ने रक्तदाताओं को सम्मानित किया। एडवोकेट दीपक सैनी व हेमन्त सैनी ने संयुक्त रूप से बताया परिषद समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करती रहती है और जब भी रक्त कोष में रक्त की कमी होती है, तब भी परिषद तत्काल प्रभाव से रक्तदान शिविर का ओयोजन करती है।

सोनू सैनी व अभिषेक सैनी ने बताया कि परिषद के प्रधान भुपसिंह सैनी ने नेत्रदान, अन्न दान, देह दान के लिए भी कमेटी का गठन किया है। कमेटी प्रचार-प्रसार कर लोगों को पुनित कार्यों के लिए जागरूक करेगी। दीपक एडवोकेट, आदित्य सैनी, भूपसिह सैनी ने बताया कि जो रक्तदाता न दिन देखता न रात देखता एक फोन पर पहुंच जाता है, हम उसे नमन करते हैं। सम्मान समारोह में दीपक महता, सलैन्दर सिंह, दीपक राज, सत्यदेव सैनी, प्रमोद सैनी, धर्मेन्द्र सैनी, पवन सैनी, संजय गोयल, प्रदीप, नवनीत सैनी, जगदीश चन्द्र पुर्व सरपंच, राजकुमार सैनी कोषाध्यक्ष, सुरेन्द्र सैनी महासचिव, सुभाष सैनी संगठन मन्त्री, राधेश्याम सैनी ठेकेदार आदि मौजूद रहे।

बैठक में बीमा क्लेम घोटाले पर आन्दोलन और अमेरिकी उप राष्ट्रपति की यात्रा के विरोध का निर्णय

किसान सभा जिला कमेटी की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

अखिल भारतीय किसान सभा जिला कमेटी की पुराना बस स्टैंड के पीछे स्थित शहीद भगत सिंह यादगार भवन में हुई। बैठक की अध्यक्षता सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल ने की तथा संचालन जिला सचिव मास्टर जगरोशन ने किया। इस मौके पर किसान सभा के दोनों जिला पदाधिकारियों ने बताया कि क्षेमा फसल बीमा कंपनी ने 2023 के खरीफ फसल में कृषि कल्याण विभाग के डारेक्टर व संयुक्त डारेक्टर से मिलकर भिवानी और दादरी जिले के किसानों का गैर कानूनी रूप से 350 करोड़ रुपये का बीमा क्लेम कम कर दिया।

इस बीमा क्लेम फ्रॉड की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच करवाने, दोषियों को कड़ी सजा दिलवाने व किसानों को ब्याज समेत बकाया बीमा क्लेम दिलवाने हेतु लोहारू ब्लाक में लंबा आंदोलन करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि 21 अप्रैल को किसान सभा पूरे देश में गांव व तहसील स्तर पर अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस का भारत आगमन पर विरोध करेगी, क्योंकि वे हमारे देश में अपने कृषि उत्पादों के आगमन पर टैरिफ खत्म करने के लिए भारत सरकार पर दबाव डाल रहे है। हमारी केंद्र सरकार अमेरिकी दबाव में आकर रूस से मिलने वाले सस्ते पैट्रोलियम पदार्थों को बंद करके अमेरिका से महंगे आयात करने पर सहमत हो गए है। परिणामस्वरूप देश के किसान व आम आदमी बर्बाद हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पर्यावरण संकट पर भी तीसरी दुनिया के देशों को मदद करने से मनाकर दिया है।

भिवानी। साइकिल रैली को रवाना करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

फिट इंडिया अभियान चला निकाली साइकिल रैली

भिवानी। भिवानी एवं नेहरू युवा केंद्र, भिवानी,भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत रविवार को साइकिल रैली का आयोजन किया। रैली का उद्धेश्य फिटनेस के प्रति जन जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों ने लगभग पांच किलोमीटर की साइकिल यात्रा की, जो साई हॉस्टल से प्रारंभ होकर नेहरू युवा केंद्र, हांसी गेट, घंटाघर होते हुए पुनः साई हॉस्टल तक सम्पन्न हुई।

रैली को साई हॉस्टल के पूर्व चीफ कोच बृजभान सिंह व नेहरू युवा केंद्र महेंद्र सिंह लेखाकार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर केंद्र प्रभारी कुलदीप कुमार, पूर्व चीफ कोच भूपेन्द्र सिंह, हरेंद्र सिंह कोच, देवव्रत धाकड़ कोच, रामकिसान एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। नेहरू युवा केंद्र भिवानी की ओर से महेन्द्र सिंह लेखाकार, सुनील कुमार, कृति, राकेश, प्रवीण गोलागढ़ (ब्लॉक कोऑर्डिनेटर), एवं मोहित(ब्लॉक कोऑर्डिनेटर) ने भी सहभागिता की। यह रैली न केवल युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी, बल्कि आमजन को भी फिटनेस के प्रति जागरूक करने में सफल रही।

सफीदों ने उचाना की टीम को रोमांचक मुकाबले में हराया

सफीदो के दहिया रहे मैन ऑफ द मैच रहे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

नशा नाश का कारक माना जाता है। नशे की गर्त में फंसकर सामाजिक परिवेश से दूर हो जाता है, जो कि पूरी तरह से उसके भविष्य को बर्बाद कर देता है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रहते हुए शिक्षा व खेलों में भागीदारी करनी चाहिए, ताकि वह अपना भविष्य स्वर्णिम बना सकें। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से आईसीएस कोचिंग द्वारा भिवानी-हांसी रोड स्थित जी लिट्रा वैली खेल मैदान में सात दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा है, जो दूसरे दिन भी जारी रही।

यह जानकारी देते हुए आईसीएस तोशाम के निदेशक मनजीत सिंह ने बताया कि दूसरे दिन की प्रतियोगिता का शुभारंभ आईसीएस के निदेशक परिमल ने किया। इस दौरान 8 टीमों के बीच बड़े ही रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। जिसमें सबसे अधिक रोमांचक मुकाबला उचाना व सफीदों की टीम के बीच हुआ। जिसमें उचाना ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लेते हुए 126 रनों का लक्ष्य प्रतिद्वंदी टीम को दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सफीदों की टीम ने अंतिम चार बॉल रहते हुए जीत हासिल कर ली। इस दौरान सफीदो की टीम से दहिया मैन ऑफ दि मैच रहे। इस दौरान उचाना टीम के खिलाड़ी इल्ली ने 7 ओवर में शतक लगाकर शानदार पारी खेली। उन्होंने कहा कि सात दिवसीय प्रतियोगिता में 54 टीमें भाग ले रही है।

भिवानी। खुशियों की दीवार संस्था जरूरतमंद लोगों को जरूरत का सामान मुहैया

जरूरतमंदों को मुफ्त सामान दे रही खुशियों की दीवार

चरखी दादरी । दादरी के लघु सचिवालय परिसर में संचालित खुशियों की दीवार संस्था पिछले 9 वर्षों से समाज के उन वर्गों के लिए एक आशा की किरण बनकर उभरी है, जो जरूरत का सामान खरीदने में असमर्थ हैं। संस्था का उद्धेश्य घर-घर की अधिकता, जरूरतमंदों की सहायता करना है। संस्था की तरफ से अब तक हजारों लोगों को निशुल्क जूते, कपड़े , किताबें और घरेलू सामना प्रदान कर चुकी है। संस्था संचालक संजय रामफल ने बताया कि संस्था द्वारा संचालित मोबाइल सेवा के माध्यम से ऐसे लोगों तक निशुल्क आवश्यक वस्तुएं पहुंचाई जाती हैं, जो जीवन की मूलभूत जरूरतों को भी पूरा करने में संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस पुण्य के कार्य में हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है। लोग अपने घर में रखे जरूरत से अधिक सामान को दीवार पर रख जाते हैं और यही सामान जरूरतमंद लोगों को दिया जाता है। संस्था की टीम उन्हें मोबाइल सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक पहुंचती है। यह सेवा पूर्णतः निशुल्क है और मानवता की भावना से प्रेरित है। संस्था का यह मानना है कि यदि हर व्यक्ति अपनी अधिकता का एक छोटा सा हिस्सा दूसरों के साथ साझा कर ले, तो समाज में किसी को भी अभाव में जीवन नहीं जीना पड़ेगा। खुशियों की दीवार सभी जागरूक नागरिकों से आग्रह करती है कि वे इस मुहिम में भागीदार बनें।

अध्यात्म एवं नारी शक्ति की अनमोल रत्न थी दादी रत्नमोहिनी : वसुधा

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुखिया राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी को भक्तों ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

भिवानी। दादी रत्नमोहिनी को नमन करते बीके भाई बहन।

अध्यात्म एवं नारी शक्ति की अनमोल रत्न थी दादी रतनमोहिनी, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या और सेवा के बल से विश्वभर के 140 से भी अधिक देशों में आध्यात्मिक व मानवीय मूल्यों की शिक्षा दी।

उनकी शिक्षा से लाखों भाई बहनों का नैतिक और चारित्रिक उत्थान हुआ, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की कादमा शाखा के तत्वावधान में रामबास स्थित ब्रह्माकुमारीज पाठशाला में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने श्रद्धासुमन व्यक्त किए। गौरतलब है कि ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुखिया राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी ने 8 अप्रैल को अपनी अपना शरीर त्याग परमात्मा की गोद ली उनकी स्मृति में आज विश्व भर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। ब्रह्माकुमारी वसुधा ने कहा कि नारी शक्ति के विश्व के सबसे बड़े संगठन ब्रह्माकुमारीज़ की मुखिया राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी स्थापना से लेकर आज वटवृक्ष बनने की साक्षी रहीं हैं।

मात्र 13 वर्ष की आयु में ही ब्रह्माकुमारीज से जुड़ीं और पूरा जीवन समाज कल्याण में समर्पित कर दिया। 101 वर्ष की आयु में भी दादी की दिनचर्या अलसुबह ब्रह्ममुहूर्त में 3.30 बजे से शुरू हो जाती थी। सबसे पहले वह परमपिता शिव परमात्मा का ध्यान करती थी। राजयोग मेडिटेशन उनकी दिनचर्या में शामिल रहा।

चूहड़ सिंह बाजारी हनुमान मंदिर में 31वें जागरण का आयोजन

हनुमान मंदिर में जागरण से पूर्व हवन में आहुति डालते श्रद्धालु।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

छम-छम नाचै देखों वीर हनुमाना, लाल लंगोटे वाले हनुमान जी तेरी जय हो तेरी जय हो और दुनिया चले न श्रीराम के बिना और श्रीराम जी चले न हनुमान के बिना भजनों पर श्रद्धालुओं ने भक्ति सागर में खूब ड बकियां लगाई।

हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार रात्रि पुराना पटवार खाना के नजदीक चूहड़सिंह बाजारी स्थित हनुमान मंदिर में 31वां विशाल जागरण का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी विजय बंसल टैणी ने द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इस मौके पर सिद्धपीठ लाल महादेव अखाड़ा मंदिर के पुजारी आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने पूजा-अर्चना करवाई। इसके उपरांत कलाकारों ने कलयुग के जागृत देवता हनुमानजी की भजन गीतों के माध्यम से महिमा गुणगान किया।

शिव महापुराण कथा का हुआ शुभारंभ

बहल। बहल की बेटियों द्वारा आयोजित होने वाली शिवमहापुराण कथा का रविवार को शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा श्रीश्याम मंदिर बहल से कथास्थल ब्रह्मदत्त मेमोरियल हाल तक कलश यात्रा निकाली। कलशयात्रा में शामिल भक्तिभाव में डूबी महिलाएं सिर पर कलश धारण कर भजन गाती हुई कथास्थल पर पहुंची। कथा आयोजन समिति की सदस्य बेटियों ने कलश यात्रा में शामिल महिलाओं का स्वागत किया।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
कोचिंग के क्षेत्र का बड़ा नाम.....
आर्यन कोचिंग सैन्टर
'विश्वास का दूसरा नाम'
नये बैच शुरू | 12th के बाद नौकरी-कॉमन बैच
C.E.T. | रेलवे
CUET | अग्निवीर
S.S.C. | Delhi Police
अनुभवी अध्यापक | नोटस पैकेज | शानदार रिजल्ट
पता : पारस वाली गली, नजदीक बस स्टैण्ड, च. दादरी
9050035973, 9812611926